







The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाश्वित PUBLISHED BY AUTHORITY

मं. 34]

नई विल्ली, शनिवार, अन्तूषरं 21, 1995/आश्विन 29, 1917

No. 34]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 21, 1995/ASVINA 29, 1917

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिसमे कि यह अलग संकलन के रूप में

रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation . . .

भाग II---खण्ड 3---उप-खण्ड (iii)

PART II-Section 3-Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र, प्रशासनों की छोड़कर) द्वारा जारी किए गए बादेश और घधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

# भारत ,तिर्वाचन आयोग

प्रावेश

नई दिल्ली, 9 घष्णुबर, 1995

धा.ध. ७३----निर्धालन धायोग का समाधान हो गया है कि नीचे की मारणी के स्तम्भ (2) में यया विनिर्दिष्ट राजस्थान विधान सुझा के साधारण निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन केन्न सेन्न सेन्न सेन्न सेन्न है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक ध्रध्यर्थी, लोक प्रतिनिधिष्त, प्रधिनियम 1951 सथा तकीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रमेनित उक्त मारणी के स्तम्भ (5) में यथा वर्णित ध्रमने निर्वाचन व्ययों का लेखा वालिल करने में प्रस्कत रहा है;

और उनत अभ्यर्थियों ने निर्याचन आयोग द्वारा सस्यक मूचना दिए जाने पर भी उनत असफलता के लिए न तो कोई कारण और न ही स्पष्टीकरण विथा है अथवा उनके द्वारा प्रस्तुत अभ्यानेदन पर, यदि कोई हो, बिचार करने के पण्चात् निर्वावन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उकत असफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायीनित्य नहीं है ;

ं ' श्रुत', **प्रव**, निर्वाचन प्रायोग उसल प्रशिनियम की धारा 10-क के प्रतुनरंग में नीचे की सारगी के 'स्वस्थ (4) में विनिर्दिण्ट व्यक्तियों को संस्**य** के किसी भी सदन के या किसी राज्य था मंत्र राज्य-केल की विधान गमा ग्रमथा विधान परिषय् के सदस्य चुने जाने <mark>धौर होने के लिए इस आदेण की तारीख</mark> में तीन वर्ष की कालायधि के लिए एतव्**दारा निर्राहेंत घोषित करना है'।'** "्

2453 GI/95--1

(489)

सारणी				
क.सं.	. निर्वाचन का विवारण  `	विधान सभा निर्वाचन-धेत की क.सं. भीर नाम	निर्वाचन लड़ने वाले भ्रभ्यर्थी का नाम ग्रीर पता	निरहेता का कारण
1	2	3	4	5
	विधान सभा के लिए साधारण निर्माचन, 1993	<b>९</b> 3 <b>-सवार्ष</b> माधोपुर	हकीम लाल, पुत्र बल्ला, विनोबा थस्ती, सबाईमाधोपुर (राजस्थान)	लेखा समय भौर रीति से दाखिल करने में भ्रसभल रहे ।
376.	व <b>ही</b> ्	191-भागौर	रामप्रसाय, हरिजन बस्ती, नागीर, जिला नागीर, (राजस्थान)	लेखा रौति से वाखिल करने में झसफल रहे।
377.	<b>अही</b> -	183-जोधपुर	गजराज पुरोहित, हाथीराम जी की हवेली, एक मीनार मिजस्ट के सामने स्रण्या फालसा, जोधपुर (राजस्थान)	ले <b>का</b> समय भौर रीति से काकिय करने में श्रसफल रहें ।
378	षद्वी	··- य <b>र्हा-</b> ···	नरसिंह राज मण्डारी, जाटा बास, जोधपुर (राजस्थान)	बर्ही
379.	वर्ह्ग्	व <b>ही</b>	गरेन्द्र कुमार स्नामें, अम्हपुरी महामन्दिर, जोधपुर (राजस्थान)	ख <b>ही</b>
380.	चही	193-साङ्ग	मोहन राम, मृ.पो. श्रलाय, तह, नागौर, (राजस्थाम)	व <b>ही</b>
381.	—बही∙—	<b>a E</b> 1	बाबूलाल शर्मा, दाबीच भीक, लाडून (राजस्मान)	निर्वाचन स्पर्धो का ले <b>का</b> द <i>ि</i> बल करने में असफल रहे ।
382.	वर्त	जहीं	बैगराज भाटिया, मृ.पो. लेड़ी, लाडून (राजस्थान)	लेखा समय भीर रीति से दाश्चाल फरने में झसफल रहें।
383-	वही	वर्दी	धनीस भ्रहमद, बडा बास, लाङ्ग (राजस्थान)	वर्ती
<b>564</b> .	<del>W</del> \$(	115-रामगंज मंडी	वेषी साल, नारामण सदन, निशीरपुरा, कोटा, (राजस्थान)	निर्मायन स्थापें का लेखा द <i>िखान</i> जारने में असफल रहें।
38€.	वही	6-गंगानगर	सहीराम, : बार्ड मे <sub>र 11</sub> , भुद नामक बस्ती, भंगानगर (राजस्थान)	ले <b>का रीति</b> से दाकिल <b>मारने</b> में भक्त. फल रहें।

1	2	3	4	5
386 निधान स नियमिन,	भा के लिए साधारण 1993	8-गं <b>गा नपर</b>	भरत कुमार, डाककर गांव गणेश गढ़, सह. गंगामगर, (राजस्थाम)	निर्वाचन व्ययों का लेखा दास्तिय करने में असफल रहें।
387	वहीं	<b>-वही</b>	वदरी प्रथमाण, वार्ड मं. 1, वीज निगम कार्यालय के सामने, गंगानगर (राजस्थान)	-, <b>व</b> ही
388	મફી		ललित, 33, जी ब्लाफ, गंगास <b>गर,</b> (राजस्थान)	लेखा रीति <b>ते दाखिल</b> अपने में <b>भसकत रहे</b> ।
389	वहीं	वहीं	तितर सिंह, गांव एण्ड पो. ग्रा. चक, 25 एफ, गुलाये वाला, सहे. करभपुर, (राजस्वान)	<b>वर्हा</b>

[सं. 76/राज :- वि .सं : /94] धार्वेष से, के.पी.भी. **धटरी**, समिन

### **ELECTION COMMISSION OF INDIA**

#### ORDER

New Delhi, the 9th October, 1995

O.N. 73.—Whereas the Election Commission of India is satisfied that each of the contesting candidates specified in column 4 of the Table below at the General Election to the Legislative Assembly of Rajasthan State specified in column 2 and held from the constituency specified in column 3 against his/her name has failed to lodge any account of his/her election expenses as shown in column 5 of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reasons or explanation for the said failure even after due notice by the Election Commission or the Commission after considering the representation made by them, if any, is satisfied that they have no good reasons or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column 4 of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State or Union Territory for a period of 3 years from the date of this order:

Т	A	R	T	Æ

S. Particulars of Election No.	S. No. & Name of Assembly Constituency	Name & Address of the contesting candidates	Reasons for disqualification
1 2	3	4	5
375 General Election to t Legislative Assembly,	he 83—Sa wai Madhopur 1993	Hakim Lal S/o Balla, Vinoba Basti, Sawai Modhopur Rajasthan	Account not lodged in time & manner

492

l 	2	3	4	5
87	General Election to the Legislative Assembly, 1993	6 – Ganganagar,	Badri Aggarwal. Ward No. I, Intront of Beej Nigam Office, Ganganagar Rajasthan	Account not lodged
¥8	·do-	∗do-	Lalit, 33, D Block, Ganganagar, Rajasthan	Account not lodged in the number
9	-(. <sub>(</sub> )	-do-	Titar Singis, Vill/P.O. Chak 25 F, Gulabewala Teh Karanpur Rajasthan	•do-

No. 76/RJ-LA 941

By Order, K P.G. KUTTY, Seey.

## नई दिल्ली, 11 घनमुबर, 1995

ग्रा. म 74 - लॉक प्रतिनिधित्व मधिनयम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदन्त गिमिनयों का प्रयोग करते हुए भारत निर्वाचन ग्रायोग, प्रण्डमान निकोबार दिए समूह संघ राज्य क्षेत्र के सरकार के गरामणे से, राकेण बिहारी के स्थान पर श्री पी. के निपाठी, प्रार्थ, ए एम., विकास अध्यक्त को अण्डमान निकोध्यार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र के लिए 19 सिनम्बर, 1995 से ग्रागामी धादेशों तक के लिए एतद्वारा नासित करते हैं। उहें विविच्छ अधीन निर्वाचनों में सम्बन्धित कार्य करने वाल राज्य सचिवालय विभाग में सरकार के सच्चत केंक्स में भी पदाभिन्नित किया जाएंगा।

2 प्रायोग है यह देखा है कि शी पी के. विपाठी के पास (1) सीजना, (2) हृषि, (3) पण्नुसन, (4) 20 सूची कार्यक्रम, (5) महकारिता, (6) प्रामीण विकास और साम्दायिक विकास (7) स्थानीय स्वायक्ष्त शामन (8) उद्योग (9) मछलीपालन (10) णिक्षा (11) यूबा मामले और खेल (12) कला और संस्कृति विभागों सहित विकास प्रायुक्त का प्रातिस्वित कार्यभार है। प्रायोग अद्यान और निकोबार द्वीप समूह सब नाज्य क्षेत्र में पूर्णकार्तिक मुख्य निर्वाचन प्रधिकारी रखने पर जोर नहीं दे रहा है चिक्र इस सथ राज्य क्षेत्र में फेबल वो सणदीय निवाचन क्षेत्र ही है। जैस ही साधारण निर्वाचन ग्रायत्वन होगा श्री पी के. विपाठी ग्राई ए.एस को प्रत्येक और सभी प्रतिस्वत कार्यसार से मुक्त करना होगा और प्रमुणन रिपार्ट ग्रायोग को भेज्नी होगी।

3. श्री पी.के विपाठी, भण्डभान और निकोबार द्वीप समृह के मुख्य निर्वाचन भ्रोधकारी के रूप में कार्य करने हुए उपर्यक्त पैरा 2 में उरिक्षित कार्यभार के भ्रानिरक्त अण्डमान ओर निकोबार द्वीप समृह सरकार के भ्राप्तीन कोई भ्रानिरक्त कार्यभार चाहे वह कुछ भी हो, भ्रायोग की पूर्व निश्चित श्रामान के बिना ग्रहण नहीं करेंगे।

। साधारण निर्वाचन के क्रासन्त होने पर यदि श्री पी के विपारी को उनके सभी क्रांतिरिक्त कार्यभारी से मक्त नहीं किया जाता या प्रायोग की पूर्व लिखिन मनुसित के उपयुक्त पैरा 2 में उल्लिखिन कार्य के भ्रति रिक्त उन्हें किसी प्रकार का भी कार्यभार सींपा या प्रहण करवाया जाता है तो श्री पी के लिपाठी को मुख्य निर्वाचन प्रक्रिकारी, प्रण्डमान और निकोबार द्वीपसमृह के कार्यालय से इस विशेष प्रादेश की पानों के भ्रनुमार कोई भी ऐसे कार्यभार प्रहण करने की तारोख से हटा दिया गया सनभा जायेगा और कोई भ्रत्य प्रादेश जारी नहीं किया गाँगा या उसकी भाव-भ्यकता नहीं होती। उसके परमान मख्य निक्षित भ्रधिकारों के कप में उनके कर्तव्यो और कार्य के निवाहने में उनके हारा की गई सभी या कोई कारवाई भ्रत्राधिकृत क्षेत्राधिकार रहित और नास्त्री शे गृत्य होती और उनके विश्व भ्रत्राधिकृत क्षेत्राधिकार रहित और नास्त्री।

[स. 154/म.नि.दि.प./95] श्रादेश से, सी.भार. अहम्म, सचित्र

### New Delhi, the 11th October, 1995

O.N. 74.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands hereby nominates Shri P. K. Tripathi, 1AS, Development Commissioner, as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands with effect from 19th September, 1995 and until further orders vice Shri Rakesh Behari. He will also be designated as Secretary to the Government in the Department in the State Secretariat dealing with elections under the Election Commission.

- 2. The Commission has noted that Shri P. K. Tripathi has additional charge of Development Commissioner, including Departments of (1) Planning, (2) Agriculture, (3) Animal Husbandary, (4) 20-Point Programme, (5) Cooperation, (6) Rural Development and Community Development, (7) Local Self Govt. (i.e. Panchayats), (8) Industries, (9) Fisheries, (10) Education, (11) Youth Affairs and Sports, (12) Art and Culture. The Commission is not insisting on a full-time Chief Electoral Officer in the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands as the Union Territory has more than two Parliamentary Constituencies. As soon as a general election becomes imminent, Shri P. K. Tripathi, IAS, shall be divested of all and every additional charge and a compliance report sent to the Commission.
- 3. Shri P. K. Tripathi, while functioning as Chief Electoral Officer, Andaman and Nicobar Islands, shall not hold, without the prior written approval of the Commission any additional charge, whatsoever, under the Government of Andaman

- and Nicobar Islands, over and above the charges mentioned in paragraph 2 above.
- 4. If Shri P. K. Tripathi is not divested of all his additional charges as soon as a general election becomes imminent or is entrusted with or ordered to hold any additional charge of any kind whatsoever over and above the charge mentioned in paragraph 2 above, without the prior written approval of the Commission, Shri P. K. Tripathi, will stand removed from the office of the Chief Electoral-Officer, Andaman and Nicobar Islands, from the date of assumption of any such additional charge in terms of this very order and no other order will, or need to, be issued. All and any action taken by him thereafter in the discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised, without jurisdiction non-est and null and void and he shall render himself liable disciplinary action.

[No. 154[ANI,95] By Order, C. R. BRAHMAM, Secv.